सेवा में ,

माननीय मुख्य मंत्री

भोपाल, प्रदेश

विषय - युवाओ के कृषि उद्यम लघु चलित मृदा सह परामर्श केंद्र के सञ्चालन के सम्बन्ध मे।

श्रीमान मै विनोद साहू , कृषि छात्र, कृषि क्षेत्र में किसानो के लिए अपने ही गाँव में किसानो को सहयोग उनकी आय बढ़ाने के लिए NMSA मृदा हेल्थ मिशन के अंतर्गत मृदा लैब के लिए पिछले दो साल से आवेदन सम्बंधित विभाग और मंत्री जी को प्रेसित किया लेकिन अभी तक किसी भी प्रकार की सहयोग नहीं मिला,

12 - 08 - 2021 विश्व युवा दिवस के उपलक्ष्य में , उत्कृस्ट कृषि उद्यम प्रतिस्पर्धा solved चैलेंज २०२१, नवाचार के लिए भारत सरकार के खेल मंत्रालय , अंतरास्ट्रीय संस्था UNDP , UNV द्वारा पुरे भारत से टॉप टेन में चयन किया गया और खेल मंत्री माननीय अनुराग ठाकुर जी द्वारा विज्ञानं भवन में युवा दिवस पर, प्रशस्ति पत्र, और एक लाख पुरस्कार्य राशि प्रदान की गयी।

इसके अलावा भी कई अवार्ड कृषि के क्षेत्र में मिले, मैंने, अपनी कृषि पढाई के दौरान ही किसानो के बेहतर कार्य और जागरूकता के लिए संथियो के मध्य से प्रगति फाउंडेशन की शुरुवात की और अपने ही पैसो से , बिना किसी सहयोग के किसानो के लिए जागरूकता कार्यक्रम ३ सालो से जैविक खेती, औषधीय खेती के लिए जागरूक और बीज से बाजार तक का सहयोग कर रहे है।

लेकिन इतनी बड़ी उपलब्धि के बाद भी मेरे नवचार बिज़नेस आईडिया के लिए मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं की गया, शायद मै समझता हु की इन सबके लिए भी राजनितिक पहुँच न होने के कारण मै वंचित हो गया, और अगर राजनीती के कारण पढ़े लिखे युवा जब वंचित रह सकते है तो उस ग्रामीण किसान, युवा का तो और बुरा हाल होता होगा,

ये पत्र लिखने का कारण मात्र यही है की ऐसे बहुत से अनेक युवा, कार्य कृषि क्षेत्र , सामाजिक परिवेश के लिए कर रहे है और उनके अंदर अनेक ऐसी प्रतिभाएं है जिन पर अगर अमल किया जाए तो बहुत से सामाजिक अव्यवस्थाओ को सही किया जा सकता है ,

पर राजनीतिक पहुँच , ठाट बात, ग्रामीण युवाओ का नाता नहीं है तो शायद ऐसे नवाचारों का कागजो में दफ़न होना लाजमी है, और विदेशी कम्पनिया कृषि क्षेत्र में लूटपाट करती रहेंगी।

अतः माननीय महोदय से निवेदन है की इस नवाचार को कृषि युवाओ को आगे आने के लिए पायलट प्रोजेक्ट में चलाने के लिए मौका दिया जाए जिससे किसान की दुगनी आय की परिकल्पना वैज्ञानिक ढंग से पूरी की जा सके।

दिल्ली में जनेकृविवि के छात्र को खेल मंत्रालय करेगा 1 लाख से पुरस्कृत

उपलब्धि पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतु, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने हौंसला अफजाई की एवं विवि के अधिकारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं छात्रों ने बधाईयां प्रेषित की। केन्द्र निदेशक, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, डॉ. सुषमा नेमा, डॉ. कीर्ति तन्तवाय, डॉ. आर.एस. शर्मा ने भरपूर सहयोग एव मार्गदर्शन दिया। ज्ञात हो कि इस प्रतिस्पर्धा में ''स्थाई खाद्य मूल्य प्रणाली'' विषय पर किसानों की आय को दोगुना करने हेतु अपना न्यू बिजनेस आइडिया देना था। इसमें देशभर के युवा शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

ये है तकनीक

श्री विनोद साहू द्वारा विकसित ''लघु चलित मृदा परीक्षण डिजीटल परामर्श लैब'' के द्वारा सीधे किसान के खेत-घर में ही मृदा परीक्षण करके तुरन्त ही रिपोर्ट एवं बीज से बाजार तक का उचित परामर्श दिया जा सकेगा। यह तकनीक काफी कम खर्च में तैयार कर सकते हैं।

चलित मृदा परीक्षण लैब के उपयोग से बढ़ेगी किसानों की आय

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। किसान जी तोड़ मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें उनकी मेहनत के अनुसार आय नहीं हो पाती। किसानों की आय को बढ़ाने के उद्देश्य से बीज से लेकर बाजार तक की जानकारी उन्हें देने और किसानों के खेतों की मृदा परीक्षण कर उसके अनुरूप फसल लगाने के लिए एक लघु चलित मृदा परीक्षण डिजिटल परामर्श लैब को बनाने की परियोजना का विचार जेएनकेविवि के शोधार्थी विनोद साहू ने दिया। इस आइडिया के लिए ही विनोद साहू को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। विनोद साहू से हुई बातचीत के अनुसार उन्होंने बताया कि पुरस्कार स्वरूप जो एक लाख रुपए

जेएनकेविवि के शोधार्थी विनोद साहू ने बनाया प्रोजेक्ट

की राशि उन्हें दी गई है वह इस प्रोजेक्ट की शुरुआत करने के लिए है। जिसे पूरा करने में करीब 10 से 12 लाख रुपए का खर्च आएगा।जिसकी व्यवस्था में विनोद लगे हुए हैं।

शोधार्थी ने बताया कि वे मूलत: सीधी के रहने वाले हैं। उन्होंने बचपन से ही खेती के दौरान आने वाली परेशानियों को देखा है। यही वजह है कि उन्होंने स्कूल के समय से ही कृषि विषय लेकर पढ़ाई की। विनोद का कहना है कि शासन की किसानों के लिए कई योजनाएं हैं। कृषि विज्ञान केंद्र हैं जहां से उन्नत किस्म के बीज, खाद से लेकर मृदा परीक्षण सभी कुछ होता है। लेकिन जो छोटे किसान हैं वो इसके लिए जागरूक नहीं हैं और कृषि विज्ञान केंद्र पहुंच भी नहीं पाते। इसलिए उन्होंने एक ऐसा चलित लैब बनाने का विचार किया जो सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त रहेगा। इस चलित लैब को गांव-गांव ले जाकर किसानों के खेत पर मिट्टी का परीक्षण करके उन्हें यह बताया जाएगा कि खेत की मिट्टी किस फसल को उगाने के लिए सही है और किसके लिए सही नहीं है। इस चलित लैब के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म के बीज और फसलों के उचित बाजार के बारे में भी जागरूक किया जाएगा, जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा हो। यदि किसान को यह पता चल जाएगा कि वह अपने खेत की मिट्टी में पारंपरिक फसलों के अलावा औषधीय फसलें भी ले सकता है तो इससे उसकी आय बढ़ेगी। इसके साथ ही यदि खेत की मिट्टी की गुणवत्ता कम होती तो वह कम लागत लगाएगा। जिससे उसके पैसों की बचत होगी। प्रोजेक्ट में बताया गया कि यदि किसानों के पास चलित मृदा परीक्षण लैब पहुंचता है तो उनकी आय में करीब दो से तीन लाख रुपए तक का अंतर आ सकता है या फिर इतनी ही बचत हो सकती है। शुरुआत में तो यह विनोद का व्यक्तिगत प्रोजेक्ट ही है। आगे काम करने के लिए और लोगों की टीम तैयार की जाएगी।

https://drive.google.com/file/d/199fJKTefIRfQphSx8bfyE4GS9kzfZ_q2/view

https://youtu.be/hXHOpKUlbv8